पाठ 7

पन्ना का त्याग

आइए सीखें:– • स्वामिभक्ति, देश प्रेम, त्याग, बलिदान, निर्भयता आदि गुणों का विकास। • अनेकार्थी शब्द • पर्यायवाची व विलोम शब्दों को जानना • शब्द भण्डार में वृद्धि।

यह कविता मेवाड़ राज्य में रहने वाली पन्ना धाय के त्याग को प्रदर्शित करती है। स्वयं के बच्चे का बलिदान करके वह मेवाड़ के राजकुमार को बचा लेती है। सह उसकी स्वामी भक्ति का प्रतीक है।

तलवार उठा कर हाथों में,
आँखों में ले खूनी ज्वाला।
बनवीर जा रहा महलों में,
था जाने क्या होने वाला।

लेटे थे उदय सिंह-चन्दन,
पन्ना की ममता छाया में।
मन था पन्ना का काँप रहा,
महलों की कपटी माया में।

देखा पन्ना ने एक नजर,
चन्दन जैसे ही उदय लगा।
बादल में बिजली कौंध गई,
था एक विचित्र विचार जगा।

चन्दन को उदय बना डालूँ,
तो रक्त प्यास बुझ सकती है।
मेवाड़ मही की उदय-जोत,
अविरल जलती रह सकती है।

शिक्षण संकेत –हाव भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करें। • बच्चों से एकल तथा सामूहिक रूप कविता का वाचन कराएँ। • कविता का भाव स्पष्ट करें। • कविता की विषय वस्तु को ओजपूर्ण स्वर में प्रस्तुत करें। • उदयसिंह और चन्दन के विषय में जानकारी दें।

स्वामी का कर्ज चुकाने को,
था रोम-रोम से ज्वार उठा।
बहते थे आँसू लगातार,
माँ का ममत्व चीत्कार उठा।

पर्वत सी अविचल पन्ना ने
चन्दन के वस्त्र बदल डाले।
मानों आ स्वयं विधाता ने,
सारे नक्षत्र बदल डाले।

अब उदय सिंह की शय्या पर,
आँखों का तारा सोया था।
पाषाण बन गई थी ममता,
चन्दन सपनों में खोया था।

पत्तल दोनों के बीच छिपा,
महलों से कीरत निकल चला।
उदयसिंह की रक्षा का,
पन्ना को दृढ़ विश्वास दिला।

एक चमक सी जाग उठी,
पन्ना की कातर आँखों में।
इतने में हाहाकार मचा,
यमराज आ गया महलों में

तत्काल लपक तलवार उठी,
शोणित से रंगा बिछौना था।
मेवाड़ी सूरज रक्षा हित,
मृत पड़ा सामने छौना था।

पन्ना सहमी-सी खड़ी रही,
कम्पित कर से संकेत किया।
एक मृगी ने छौने को,
सिंह के हाथों सौंप दिया।

धरती-अम्बर थे काँप उठे,
धन्य हो गई थी पन्ना।
इतिहास सदा दोहराएगा,
स्वामी भक्ति का यह पन्ना।

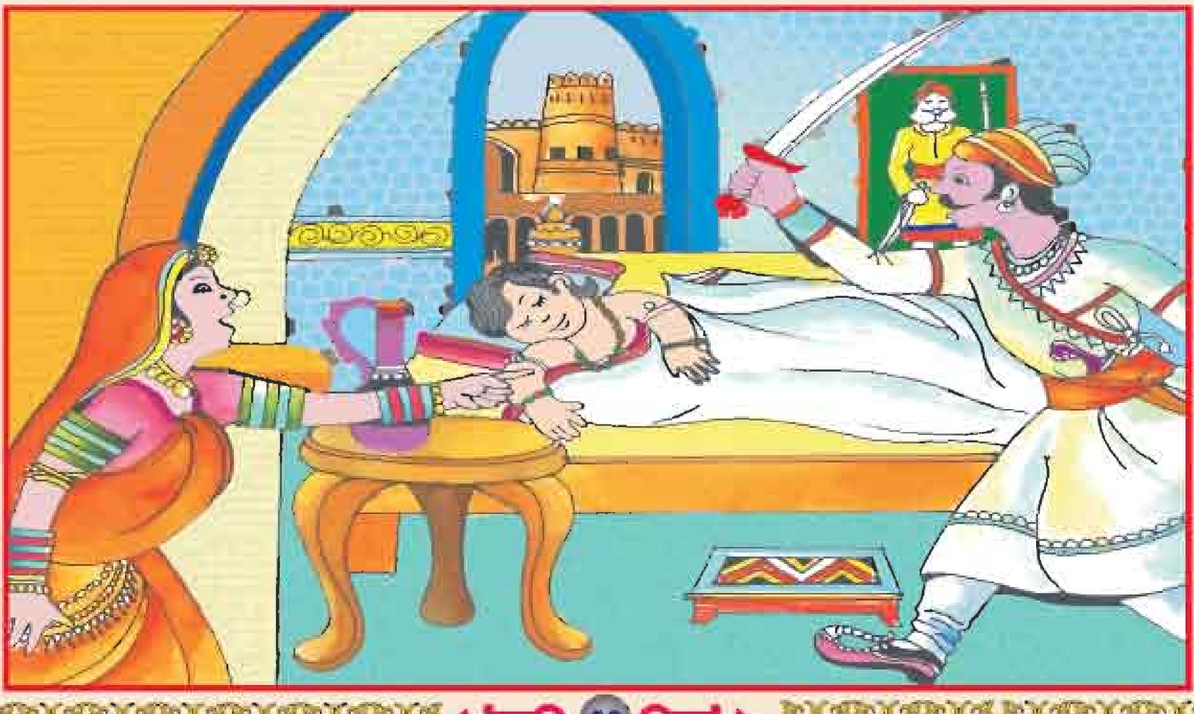

बोध प्रश्न :-

1. निम्नांकित शब्दों के अर्थ पुस्तक में दिए शब्दकोश से खोजकर लिखिए-

ज्वाला-	....	शय्या-	....
कपटी-	....	पाषाण-	....
विचित्र-	....	शोणित-	....
अविरल-	....	मृगी-	....
अविचल-	....	कौंध-	....
चीत्कार-	....	हाहाकार-	....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बनवीर तलवार लेकर महल में क्यों गया था?

(ख) पन्ना ने उदय सिंह की रक्षा किस प्रकार की?

(ग) उदयसिंह को बचाने में कीरत ने किस प्रकार सहायता की?

(घ) चंदन की हत्या किसने की?

(ङ) पन्ना क्यों प्रसिद्ध है?

3. कविता की इन पंक्तियों को पूरा कीजिए-

(क) बादल में बिजली कौंध गई............................ ।

(ख) ....तो रक्त प्यास बुझ सकती है।

(ग) बहते थे आँसू लगातार .... ।

(घ) ....चन्दन सपनों में खोया था।

(ङ) इतने में हाहाकार मचा...................................... ।

(च) ....स्वामी भक्ति का यह पन्ना।

4. नीचे लिखे भाव या विचार कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, वे पंक्तियाँ लिखिए-

(क) उदयसिंह और चन्दन पन्ना की ममतामयी छाया में लेटे थे।

(ख) बनवीर महल में जा रहा था। क्या पता, क्या होने वाला था?

(ग) उदयसिंह को पत्तल-दोनों के बीच छिपाकर कीरत महल से गया।

(घ) एक हिरनी ने अपने बच्चे को सिंह के हाथों में सौंप दिया।

(ङ) मेवाड़ के राजकुमार की रक्षा के लिए, पन्ना के सामने उसका पुत्र मृत पड़ा था।

(च) मानों स्वयं विधाता ने ही सभी नक्षत्र बदल दिए।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध उच्चारण कीजिए और लिखिए-

विचित्र, कम्पित, नक्षत्र, दृढ़, हाहाकार, कातर, अविरल, अविचल, पाषाण, ममत्व, मृत, मृगी

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-

पयास	....	करज	....	जवार	....
परवत	....	वसतार	....	चीतकर	....

3. निम्नलिखित शब्दों की समान तुक वाले शब्द कविता से खोजकर लिखिए-

भाँप	....	झपटी	....	मलती	....
अस्त्र	....	दमक	....	झपक	....

4. नीचे लिखे शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

रक्त,	....	....	मही,	....	....
महल	....	....	पर्वत	....	....
पाषाण	....	....	वस्त्र	....	....

5. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

धरती...........................

महल..........................	विश्वास................
मृत...........................	जागना....................

इन्हें भी जानिए-

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हें अनेकार्थी शब्द कहा जाता है। जैसे- इस पाठ में आया शब्द पन्ना है।

धन्य हो गई थी पन्ना।
स्वामी भक्ति का यह पन्ना॥

प्रथम पंक्ति में पन्ना शब्द का अर्थ धाय माँ से है, जबकि दूसरी पंक्ति में पन्ना शब्द का अर्थ कागज का पृष्ठ है।

6. **निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें।**

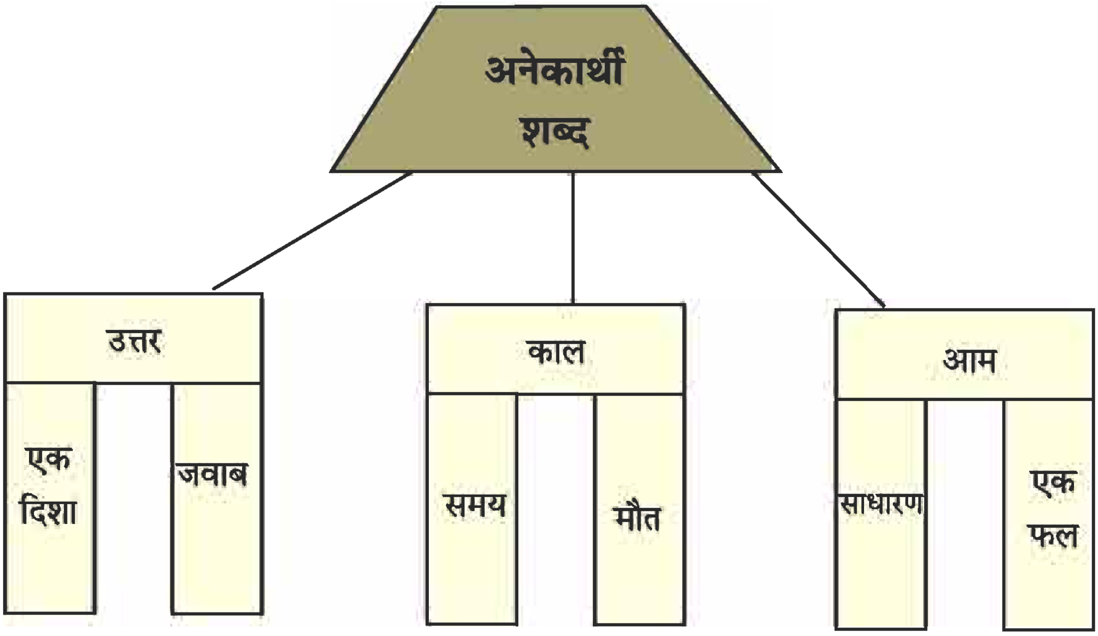

....

....

....

....

योग्यता विस्तार

1. स्वामिभक्ति के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अन्य महान् व्यक्तियों के बारे में जानकारियाँ एकत्रित कर कक्षा में चर्चा कीजिए-
2. 'पन्ना धाय' के विषय में अपने विचार लिखिए
3. इस कविता को 'अभिनय' के साथ बाल सभा में सुनाइए।